

Minister repeatedly requested the Prime Minister. The Government of India has responded to it properly and in time. Batches by batches all fishermen have been released. We do not want to see such a thing should recur in future. So, I request the Government of India and the Prime Minister to protect Tamil fishermen, they should be allowed, to fish in that particular area daily. We are seeing that the Srilankan Navy is encroaching and trespassing our area and disturbing our fishermen.

Other Members have mentioned about the LTTE activities in the coastal area of Ramanathapuram. It has appeared in newspapers yesterday [that the LTTE people were sending some letters to some people in Tamil Nadu, that they were exchanging their circumstances and that they were getting help from some Tamil Nadu people. This should be curtailed. The Tamil Nadu Government and our leader is very serious about curtailing the activities of the LTTE, about taking all effective steps to protect the interests of Tamil fishermen, for which the Government of India should help us.

Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): Thank you, Mr. Duraisamy.

Mr. Agarwal, do you want to say something?

FELICITATIONS TO RETIRING MEMBER, SHRI V. NARAYANASAMY—Contd.

**श्री रामदास अग्रवाल** (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं नारायणसामी जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। मुझे यह कहते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि मैंने श्रीमान नारायणसामी जी के साथ दो विदेश यात्राओं में अपना समय गुजारा था। भूतपूर्व राष्ट्रपति महोदय के साथ जब हम यात्रा में गए तो इनकी उपस्थिति ...**(व्यवधान)**... इनकी उपस्थिति के बगैर हमारी यात्रा अधूरी रहती। मैं इस बात को भी जानता हूँ कि जब वह इस बैच पर बैठते थे तो कभी बायीं तरफ

देखते थे तो वामपंथियों पर अपनी तलवारें निकाल लेते थे और जब दायाँ तरफ देखते थे तो काल्ड दक्षिण पंथियों की ओर भी इनकी निगाहें कुछ कमजोर नहीं हुआ करती थी। लेकिन, उसके बावजूद भी मैंने यह पाया है कि विदेश में यात्रा के समय नारायणसामी जी बिल्कुल बदले हुए व्यक्ति रहते थे और पार्टी इत्यादि की बातें न करके, बहुत शानदार और वजनदार बातें किया करते थे। आज जब वह यहां से विदा हो रहे हैं तो निश्चित रूप से हमारे मन में उनके प्रति बहुत सहानुभूति भी है, बहुत स्नेह भी है और बहुत आशा भी है कि नारायणसामी जी जैसे दबंग वक्ता फिर से एक बार राज्य सभा में आएँ, ऐसी आशा हमारी होना स्वाभाविक है। बाकी तो उनकी पार्टी जाने। हम क्या कर सकते हैं। ...**(व्यवधान)**... पांडिचेरी में हम हैं नहीं, होते तो आपकी मदद करते। थैंक यू वैरी मच, वाइस चैंसलर साहब कि आपने मुझे इजाजत दी।

**श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल** (गुजरात) : उपसभाध्यक्ष महोदय, श्री नारायणसामी जी हमारे साथीदार रहे हैं और जो लाइवली स्पीचिज उनके थू यहां हमें सुनने को मिलती थी उसकी हाउस को कमी रहेगी और जो उन्होंने योगदान दिया है उसकी भी कमी रहेगी। हम चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी वह हाउस में वापस आएँ और हमारे कांग्रेस के तो यह साथीदार है ही, लेकिन पूरे हाउस की मंशा है और मैं मानती हूँ कि यह जरूर पूरी होगी। मैं उनको शुभकामनाएं देती हूँ।

**श्री सतीश प्रधान** (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, नारायणसामी जी से मेरा 1992 में जब मैं इस सदन में आया था पहला संबंध हुआ था और जब सदन में बहुत जोर था तथा काफी हंगामा चल रहा था, तब का वह समय था। लेकिन तब से मैं देख रहा हूँ कि श्री नारायणसामी जी की आवाज सदन में घूम रही है, जिस दिन नहीं घूमी हो तो ऐसा दिन मुझे याद नहीं। उनका बोलने का तरीका बहुत अलग था, लेकिन जब आपके सामने उधर चेयर पर बैठते थे तो हाउस को चलाने का तरीका भी बहुत अलग रहता था और दोस्ती करने के लायक उनका खुद का जो खास ढंग है वह तो मैं कभी भी भूल नहीं सकता हूँ। ऐसा प्यारा आदमी कल से सदन में नहीं होगा, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द से जल्द हम उनको फिर से पास पायेंगे और सदन की दोस्ती और बढ़ेगी, इतना मुझे विश्वास है। धन्यवाद।

**श्री जलालुद्दीन अंसारी** (बिहार) : महोदय, नारायणसामी जी की कमी हम लोगों को खटकती इसमें

کھان کوئی دو ران نہی ہن۔ اک اچھے وکٹا کے رپ مں  
 ویمینن مانلں پر یھ اپنی بات رختے هے سدن کی  
 کافی مدد کیا کرتے تے۔ هم آشا کرتے ہن کی इनکے  
 अध्यक्ष पुनः इनको बुला लेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है और जब  
 यह आ जायेंगे तो इन की कमी भी दूर हो जायेगी और  
 मित्रवत् हम लोग जिस तरह से सदन की कार्यवाही में हिस्सा  
 लेते हैं, वैसे ही लेते रहेंगे। धन्यवाद।

† شری جلال الدین انصاری "بھار": مہودے۔ نارائن سوامی  
 جی کی کمی ہم لوگوں کو کھٹکیگی اسمیں کہیں دورائے نہیں ہے۔  
 ایک اچھے وکٹا کے روپ میں وہن معاملوں پر یہ اپنی بات کرتے  
 ہوئے سدن کی کافی مدد کیا کرتے تھے۔ ہم آشاکرتے ہیں کہ انکے  
 ادھیش دو بارہ انکو بلا لینگے۔ ایسا مجھے وشواس ہے اور جب  
 یہ آجائیں گے تو انکی کمی بھی دور ہو جائیگی۔ اور متروت ہم  
 لوگ جس طرح سے سدن کی کارروائی میں حصہ لیتے ہیں ویسے ہی  
 لیتے رہیں گے۔ شکریہ۔

"ختم شد"

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal):  
 Sir, can we move an amendment on Mr.  
 Narayanasamy? (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI  
 NATH CHATURVEDI): I will convey you  
 feelings to the Leader of the Party that after a  
 short rest and relaxation most of the hon.  
 Members expect him back.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA  
 (Punjab): Sir, Narayanasamy Ji is an

extremely good Parliamentarian. He has  
 contributed immensely to the debates in the  
 Parliament on every subject we can think of.  
 For us, the junior Members in the House, he  
 was always like a guard and a monitor.  
 (Interruptions)

Mr. Narayanasamy has been a guard and a  
 monitor. Probably we will miss him for a few  
 days. We hope that my party leadership gets  
 him back into the House so that the House  
 doesn't miss his presence. Thank you.

मौलाना हबीबुर्रहमान नोमानी (नाम-निर्देशित) :  
 सदर साहब, आज नारायणसामी जी हमसे विदा हो  
 रहे हैं, इसमें कोई शुबह नहीं कि इनका व्यक्तित्व,  
 इनकी शख्सियत एक निराली शख्सियत हैं और आप  
 बहुत से गुणों के, बहुत सी खूबियों के हामिल हैं। हम  
 ऐसी उम्मीद करते हैं कि बहुत दिनों तक हम इनको  
 याद करेंगे और याद करते ही रहेंगे। आप फिर वापस  
 इस सदन में आ जाएं, ऐसी हम कामना करते हैं, ऐसी  
 हम दुआ करते हैं और हर क्षेत्र में, हर तबके में, हर  
 काम में हम इनकी कामयाबी के लिए दुआ करते हैं।  
 इन्ही लफजों के साथ इनकी जुदाई पर और इनकी  
 रुखसत पर इजहारें अफसोस करते हैं। शुक्रिया।

† مولانا حبیب الرحمان نعمانی "نامزد": صدر صاحب۔

آج نارائن سوامی جی ہم سے ودا ہو رہے ہیں اسمیں کوئی  
 شبہ نہیں کہ انکا ویکتیوانکی شخصیت ایک نرالی شخصیت  
 ہے اور آپ بہت سے گنوں کو بہت سی خوبیوں کے  
 حامل ہیں۔ ہم ایسی امید کرتے ہیں کہ بہت دنوں تک انکو یاد  
 کریں گے اور یاد کرتے ہی رہیں گے۔ آپ پھر واپس اس سدن میں آ  
 جائیں۔ ایسی ہم کامنا کرتے

ہیں۔ ایسی ہم دعا کرتے ہیں اور ہر اکشیتز میں ہر طبقے میں۔ ہر کام میں ہم انکی کامیابی کیلئے دعا کرتے ہیں۔ انہی لفظوں کے ساتھ انکی جدائی پر اور انکے رخصت ہونے پر اظہار افسوس کرتے ہیں۔ شکریہ۔

**श्री रामदेव भंडारी (बिहार) :** धन्यवाद, उपसभाध्यक्ष जी, श्री नारायणसामी जी एक अच्छे पार्लियामेंटेरियन ही नहीं, एक बड़े अच्छे इन्सान भी हैं, दोस्तों के दोस्त भी हैं। हमें दुख है कि आज यह हमसे जुदा हो रहे हैं, मगर आशा करते हैं कि शीघ्र ही हम इन्हे फिर अपने बीच पाएंगे। इन्ही शब्दों के साथ मैं उनको अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से शुभकामना देता हूँ कि जिस तरह वह संसद के माध्यम से और अन्य माध्यमों से देश की सेवा करते आए हैं उसी तरह वर्षों तक देश की सेवा करते रहेंगे। बहुत बहुत धन्यवाद।

**SHRI S.B. CHAVAN (Maharashtra):** Mr. Vice-Chairman, Sir, I have great pleasure in felicitating Mr. Narayanasamy for all the good work that he has been doing all through in this House. There are a few Members who are so attentive and so alert. If there is some issue to be raised in the House, he doesn't miss even the slightest opportunity of raising it. He is such an important Member. Since he is retiring, I cannot possibly say whether he is going to come back or not. It is very difficult for me to say this. But still my good wishes are always with him. We hope that he will be able to come back.

**SHRI V. NARAYANSAMY (Pondicherry):** I will take only two minutes.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI\* TRILOKI NATH CHATURVEDI):** That is why I conveyed to the leader of the party the entire wishes of the House.

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Honourable Mr. Vice-Chairman, Sir, honourable leader of my party, honourable Leader of the Opposition, and leaders of

various political parties including the non. Home Minister, I have been in this House for the last 12 years. I got advice from all senior leaders and hon. Members. I also got their opinions on every subject. I used to discuss every subject with them. In the beginning when I was new to this House and whenever I used to raise issues in the House, they used to guide me. When we had acrimonious scenes on several issues, we used to rush to the well of the House. Whenever the leader of my party gave a sign I sat down. The honourable Chairman, the honourable Deputy Chairman and honourable Vice-Chairmen have been very cooperative with me. I took a lot of liberty with the Chair. But when I was in the Chair, I did not give any liberty to hon. Members. This has been a memorable period in my life because everybody was kind to me. They showed me their love and affection which I will carry with me throughout my life. I would like to say, whether I come to this House or not, I will try to serve the people of this country, especially the people of my State, the poor and the downtrodden. I will devote my whole time for the well-being of the people of this country. I am thankful to the hon. leaders, to all the hon Members and also to the hon. Chair for the kind words that have been addressed to me. Thank you

#### **THE COAST-GUARD (AMENDMENT) BILL, 1996...Contd.**

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI):** Thank you and wish you all the best.

Hon. Minister, would you like to make a reply to the points raised by Members?

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI N.V.N. SOMU):** Sir, at the outset, I am thankful to all the hon. Members who participated in the discussion and offered their suggestions.